अध्याय : 7

कार्य की दशायें और सन्तुष्टि

कार्य की दशाएँ और सन्तुष्टि

कार्य की दशाओं एवं कार्य सन्तुष्टि का अन्तर्सम्बन्ध व्यावहारिक है। कार्य की संतुष्टि एवं कार्यदशाएँ उत्पादन प्रक्रिया को प्रभावित करती है। कार्यसंतुष्टि कार्य के विभिन्न पहलुओं के प्रति सामान्य मनोवृत्ति पर निर्भर करती है। कार्य तुष्टि किसी कर्मचारी द्वारा कार्य, अन्य संबंधित कारक तथा सामान्य जिंदगी के प्रति विभिन्न मनोवृत्तियों का परिणाम होती है।[1] कार्य तुष्टि से तात्पर्य अपने कार्य या कार्य–अनुभूतियों के मूल्यांकन से उत्पन्न सुखमय या धनात्मक सांवेगिक अवस्था से होता है।[2] कार्य तुष्टि से तात्पर्य अपने कार्य या कार्य–अनुभूतियों के मूल्यांकन से उत्पन्न सुखमय या धनात्मक सांवेगिक अवस्था से होता है।[3] कार्यतुष्टि का निर्धारण इस बात से होता है कि कर्मचारियों की प्रत्याशाएँ एवं आवश्यकताओं की पूर्ति उनके कार्य द्वारा कितनी हो रही हैं यदि कार्य करने वाला यह समझता है कि उसे अन्य कार्यकर्ताओं के

---

1 ब्लम एण्ड नेलरः इण्डिस्ट्रीय साइकोलॉजी, 1984, पृ. 365.

2 आर्नोल्ड टी. फेल्डमैनः आर्गनाइजेशनल बिहेवियर, 1986, दउपृ. 86.

3 एम.डी. दूनेतेः हैण्डबुक ऑफ इण्डिस्ट्रीयल एण्ड आर्गनाइजेशनल साइकोलॉजी, 1976, पृ. 1300.

समान ही पुरस्कार या अन्य सुविधाएँ मिल रही हैं, उसके साथ कोई भेदभाव नहीं किया जाा रहा है तो ऐसी परिस्थिति में उसकी कार्यतुष्टि अधिक होती है इसके विपरीत वह अपने कार्य के प्रति असंतुष्टि होता है।

कार्य दशाओं कार्यस्थल से सम्बद्ध कुछ उल्लेखनीय दशाओं की पहचान की गयी, जो इस प्रकार हैं– कम उम्र के बालकों का कारखानों में व्यापक रूप से नियोजन, कार्य के अत्यधिक घण्टे, बालकों एवं स्त्रियों का खतरनाक मशीनों एवं भारी कार्यों पर नियोजन, बालकों एवं स्त्रियों का रात्रि–काल में नियोजन, सुरक्षा के अभाव में दुर्घटनाओं की व्यापकता, अस्वास्थ्यकर एवं अस्वच्छ कार्य दशाएँ, जैसे – प्रकाश और स्वच्छ हवा की कमी, गैस, धूल और धुएँ की अधिकता, दुर्गन्धपूर्ण वातावरण, फर्श पर फिसलन और गन्दगी, असुरक्षित मशीन, कार्यस्थल पर अत्यधिक भीड़, कार्यावधि में विश्राम का अभाव, कार्यस्थल पर जल एवं प्रसाधनों का अभाव तथा छुट्टी की कमी। अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने उद्योगों में कल्याण सेवाओं के बारे में बहुत ध्यान दिया। सन् 1947 में अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने श्रमिक के लिए कल्याण सुविधाओं से सम्बन्धित एक प्रस्ताव पास किया जिसमें सम्बद्ध श्रमिक प्रतिनिधियों के सहयोग से ऐसी सेवाएँ एवं सुख–सुविधाएँ कायम करने के महत्व के प्रति ध्यान आकर्षित किया जैसे ठीक जलपान गृह, सफाई एवं डाक्टरी सहायता और

आराम व आमोद के लिए सुविधाएँ, काम के स्थान से घर तक यातायात की व्यवस्था अपने घरों से दूर स्थित कारखानों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए आवास व्यवस्था आदि जो श्रमिकों के कार्य की दशाओं में सुधार लाते हैं। इन सुधार कार्यों से एक नयी दिशा की शुरूआत हुई है जो बहुत महत्वपूर्ण है। सामान्यतः औद्योगिक विवादों का कारण भी श्रमिकों की निम्न कार्यदशायें, यथा – अधिक समय तक कार्य करने की बाध्यता, कारखानों की गन्दगी, शोरगुल, पुराने यन्त्रों तथा मशीनों पर काम, धुआँ कारण रही हैं।[1]

सामान्यतया अधिक से अधिक उत्पादन करना किसी संगठन की प्राथमिकता होती है एवं कभी–कभी विशेष परिस्थितियों में भी अधिक समय तक कार्य करने के लिए बाध्य किया जाता है। जब कार्य करने के घण्टों में (एक दिन में) वृद्धि होती है तो इससे श्रमिकों में थकान अधिक उत्पन्न होती है इससे शारीरिक स्वास्थ्य पर तो असर पड़ता है साथ ही साथ उत्पादन की मात्रा तथा गुण दोनों के ही स्तर में कमी आती है। प्रत्येक बाल श्रमिक कार्यकर्ता के लिए काम करने के कितने घण्टे होंगे उल्लिखित होता है। इसे नामित कार्य के घण्टे कहा जाता है तथा कार्यकर्ता जितना घण्टा समय वास्तव में कार्य करने में व्यतीत करता है, उसे वास्तविक

---

1 अरुण कुमार सिंह : औद्योगिक एवं संगठनात्मक मनोविज्ञान, 1999, पृ. 261.

कार्य के घण्टे कहा जाता है। अधिक कार्यवाधि श्रमिकों के स्वास्थ्य एवं कार्यक्षमता को प्रभावित करती है। बाल श्रमिकों के लिए कार्य के अधिकतम घण्टे 6 घण्टे निर्धारित किये गये है जिनमें बीच में आधे घण्टे का विश्राम निर्धारित है।

श्रमिकों को पर्याप्त विश्राम नहीं मिलता। जब कार्यकर्ताओं को कार्य के दौरान अपर्याप्त विश्राम दिया जाता है या विश्राम की अवधि पर्याप्त नहीं होती है, तो इससे उनमें थकान बढ़ती है तथा उत्पादन के स्तर में ह्रास होता है। बाल श्रमिकों के लिए 6 घण्टे के कार्य में आधे घण्टे का विश्राम निर्धारित किया गया है।

असंतोषजनक पर्यावरणीय अवस्था में अनुपयुक्त रोशनी एवं रंग, कोलाहल तथा अत्यधिक तापक्रम को ग्रहण किया जाता है। अनुपयुक्त रोशनी से कार्यकर्ताओं की आँखों में तनाव उत्पन्न होता है तथा उससे थकान उत्पन्न होती है। कार्यकर्ताओं को भिन्न–भिन्न तरह के कार्यों के लिए रोशनी की दीप्ति के विभिन्न स्तरों की जरूरत पड़ती है। विशेषज्ञों के अनुसार अधिकतर उद्योगों में सामान्य कार्यों के लिए करीब 50 फूट कैण्डल रोशनी की दीप्ति को उत्तम माना जाता है। ऐसा पाया गया है कि जब कार्यकर्ताओं के कार्यक्षेत्र में रोशनी का वितरण एकसमान नहीं होता है, तो इससे भी कार्यकर्ताओं में तनाव एवं थकान होने लगती है जिससे स्वास्थ्य एवं उत्पादन प्रभावित होने लगता है।

कार्यक्षेत्र की वस्तुओं एवं उसके इर्दगिर्द की सतहों के रंगों एवं रोशनी के रंगों का भी प्रभाव शरीर पर पड़ता है। जब कार्यक्षेत्र की सतह गहरे रंग की होती है तथा उपकरण एवं अन्य वस्तुओं का रंग भी अधिक गहरा होता है तो इससे कार्यकर्ताओं में अधिक प्रसन्नता नहीं होती है और ऐसे वातावरण में कार्यकर्ताओं में नीरसता, विरसता तथा थकान जल्दी उत्पन्न होती है। अधिकतर कार्यकर्ता दिन की रोशनी के समान रंग को अधिक पसन्द करते हैं तथा कार्यक्षेत्र की वस्तुओं एवं वातावरण में इसी तरह के रंग होने से उनमें कार्य के दौरान कम नीरसता, विरसता तथा थकान होती है। दिन की रोशनी के रंग से मिलता–जुलता कृत्रिम रोशनी का रंग होने से दृष्टि दक्षता में वृद्धि हो जाती है। फलस्वरूप थकान तो कम होती ही है, साथ ही साथ उत्पादन एवं स्वास्थ्य के स्तर में भी वृद्धि होती है।

कोलाहल या अवांछित आवाज भी श्रमिकों के स्वास्थ्य एवं कार्यक्षमता प्रभावित होती है। कोलाहल मानसिक तनाव तथा उच्च रक्तचाप को उत्पन्न करता है। कोलाहल का स्तर अधिक होने और कार्यकर्ताओं को उसमें लगातार कुछ समय तक कार्य करने के लिए बाधित किया जाता है ते इससे उनमें बहरापन भी उत्पन्न हो जाता है। कोलाहल का प्रभाव मानसिक कार्य पर हस्तेन कार्य की अपेक्षा अधिक पड़ता है। जब कोलाहल अनियमित होता है तो इससे

कार्यकर्ताओं में चिड़चिड़ापन तथा थकान अधिक उत्पन्न होती है तथा स्वास्थ्य एवं उत्पादन का स्तर गिरता है। कोलाहल से कार्यकताओं में अधिक ऊर्जा की खत होती है, क्योंकि उन्हें अपने कार्य पर ध्यान लगाने में अतिरिक्त शक्ति लगानी पड़ती है। कोलाहाल से कार्यकर्ताओं में पेशीय तनाव भी बढ़ जाता है जो उनमें शीघ्र ही थकान उत्पन्न कर देता है।

अत्यधिक तापक्रम भी श्रमिकों के स्वास्थ्य एवं कार्यक्षमता को प्रभावित करता है। कार्यशाला के वातावरण का तापक्रम 92^0F से ऊपर हो गया तो कार्यकर्ताओं द्वारा प्रति घण्टे की जाने वाली त्रुटियों की संख्या में अचानक वृद्धि हो गई। तथा उत्पादन का स्तर काफी गिरने लगा। अत्यधिक तापक्रम कार्यकर्ताओं में विक्षुब्धता उत्पन्न करता है और उनमें मानसिक थाकान बढ़ने लगती है। कार्यवातावरण के तापक्रम के साथ–साथ ही आर्द्रता का भी प्रभाव पड़ता है। आर्द्रता का सामान्य प्रसार 25 प्रतिशत से 50 प्रतिशत होता है जिसमें कार्यकर्ताओं की कार्यकुशलता अधिकतम होती है। इस प्रकार से विचलन होने पर कार्यकर्ताओं से चिड़चिड़ापन, बेचैनी एवं थकान आदि होती है जिसकी अभिव्यक्ति स्वास्थ्य को प्रभावित करती है एवं उत्पादन–ह्रास की स्थिति उत्पन्न होती है।

एक ही प्रकार का कार्य करने से श्रमिकों में कार्य के प्रति नीरसता आ जाती है। नीरसता को कार्य की अवस्थाएँ प्रभावित

करती हैं। नीरस कार्य की सबसे प्रमुख विशेषता यह है कि यह काग्रकर्ता में अप्रिय अनुभूति उत्पन्न करता है। ऐसे कार्य से कार्यकर्ता में विरसता एवं तनाव की अनुभूति होती है। ऐसे कार्यों से आत्मगत अनुभूतियों के अलावा व्यवहारों में कुछ वस्तुनिष्ठ परिवर्तन भी स्पष्ट रूप से देखने को मिलते हैं। कार्यकर्ता कार्य के प्रति बेचैनी दिखाता है और अपनी शारीरिक मुद्रा में तुरन्त परिवर्तन लाता है तथा बार–बार जंभाई लेते हुए देखा जाता है।

क्या मालिक आपको मारते–पिटते हैं?

उत्तरदाताओं से जानकारी प्राप्त की गयी कि क्या मालिक आपको मारते–पिटते हैं? प्राप्त जानकारी को निम्न सारणी में दर्शाया गया है।

सारणी संख्या – 7.1

मालिक आपको मारते–पिटते हैं

मालिक मारते–पीटते हैं	आवृत्ति	प्रतिशत
हाँ	105	35.00
नहीं	195	65.00
योग	**300**	**100.00**

सारणी संख्या – 7.1 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 35. 00 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार मालिक मारते–पिटते हैं तथा

65.00 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार मालिक नहीं मारते–पिटते हैं।

अतः स्पष्ट है कि अधिकांश (65.00 प्रतिशत) उत्तरदाताओं के अनुसार मालिक नहीं मारते–पिटते हैं।

क्या आपके कार्यस्थल पर प्रकाश की व्यवस्था रहती है?

उत्तरदाताओं से जानकारी प्राप्त की गयी कि आपके कार्यस्थल पर प्रकाश की व्यवस्था रहती है? प्राप्त जानकारी को निम्न सारणी में दर्शाया गया है।

सारणी संख्या – 7.2

आपके कार्यस्थल पर प्रकाश की व्यवस्था रहती है

प्रकाश की व्यवस्था रहती है	आवृत्ति	प्रतिशत
हाँ	175	58.33
नहीं	125	41.67
योग	**300**	**100.00**

सारणी संख्या – 7.2 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 58.33 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार कार्यस्थल पर प्रकाश की व्यवस्था रहती है तथा 41.67 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार कार्यस्थल पर प्रकाश की व्यवस्था नहीं रहती है।

अतः स्पष्ट है कि अधिकांश (58.33 प्रतिशत) उत्तरदाताओं के अनुसार आपके कार्यस्थल पर प्रकाश की व्यवस्था रहती है।

क्या आपके काम के घण्टे निर्धारित हैं?

उत्तरदाताओं से जानकारी प्राप्त की गयी कि आपके कार्यस्थल पर काम के घण्टे निर्धारित हैं? प्राप्त जानकारी को निम्न सारणी में दर्शाया गया है।

सारणी संख्या – 7.3

काम के घण्टे निर्धारित हैं

विवरण	आवृत्ति	प्रतिशत
हाँ	240	80.00
नहीं	60	20.00
योग	**300**	**100.00**

सारणी संख्या – 7.3 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 80.00 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार उनके कार्यस्थल पर काम के घण्टे निर्धारित हैं तथा 20.00 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार उनके कार्यस्थल पर काम के घण्टे निर्धारित नहीं हैं।

अतः स्पष्ट है कि अधिकांश (80.00 प्रतिशत) उत्तरदाताओं के अनुसार उनके कार्यस्थल पर काम के घण्टे निर्धारित हैं।

क्या भोजनादि के लिए पर्याप्त समय मिलता है?

उत्तरदाताओं से जानकारी प्राप्त की गयी कि क्या आपको भोजनादि के लिए पर्याप्त समय मिलता है? प्राप्त जानकारी को निम्न सारणी में दर्शाया गया है।

सारणी संख्या – 7.4

भोजनादि के लिए पर्याप्त समय मिलता है

पर्याप्त समय मिलता है	आवृत्ति	प्रतिशत
हाँ	233	77.67
नहीं	67	22.33
योग	**300**	**100.00**

सारणी संख्या – 7.4 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 77.67 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार उनको कार्यस्थल पर भोजनादि के लिए पर्याप्त समय मिलता है तथा 22.33 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार उनको कार्यस्थल पर भोजनादि के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलता है।

अतः स्पष्ट है कि अधिकांश (77.67 प्रतिशत) उत्तरदाताओं के अनुसार उनको कार्यस्थल पर भोजनादि के लिए पर्याप्त समय मिलता है।

क्या आपका कार्यस्थल धुँआरहित रहता है?

उत्तरदाताओं से जानकारी प्राप्त की गयी कि क्या आपका कार्यस्थल धुँआरहित रहता है? प्राप्त जानकारी को निम्न सारणी में दर्शाया गया है।

सारणी संख्या – 7.5

क्या आपका कार्यस्थल धुँआरहित रहता है

कार्यस्थल धुँआरहित रहता है	आवृत्ति	प्रतिशत
हाँ	120	40.00
नहीं	180	60.00
योग	**300**	**100.00**

सारणी संख्या – 7.5 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 40.00 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार उनका कार्यस्थल धुँआरहित रहता है तथा सर्वाधिक 60.00 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार उनका कार्यस्थल धुँआरहित नहीं रहता है।

अतः स्पष्ट है कि अधिकांश (60.00 प्रतिशत) उत्तरदाताओं के अनुसार उनका कार्यस्थल धुँआरहित नहीं रहता है।

क्या आपको समय से पारिश्रमिक मिलता है?

उत्तरदाताओं से जानकारी प्राप्त की गयी कि क्या आपको समय से पारिश्रमिक मिलता है? प्राप्त जानकारी को निम्न सारणी में दर्शाया गया है।

सारणी संख्या – 7.6

क्या आपको समय से पारिश्रमिक मिलता है

समय से पारिश्रमिक मिलता है	आवृत्ति	प्रतिशत
हाँ	123	41.00
नहीं	177	59.00
योग	**300**	**100.00**

सारणी संख्या – 7.6 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 59.00 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार उनको समय से पारिश्रमिक नहीं मिलता है तथा 41.00 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार उनको समय से पारिश्रमिक मिलता है।

अतः स्पष्ट है कि अधिकांश (59.00 प्रतिशत) उत्तरदाताओं के अनुसार उनको समय से पारिश्रमिक नहीं मिलता है।

क्या आपके कार्यस्थल पर मनोरंजन की कोई सुविधा है?

उत्तरदाताओं से जानकारी प्राप्त की गयी कि क्या आपके कार्यस्थल पर मनोरंजन की कोई सुविधा है? प्राप्त जानकारी को निम्न सारणी में दर्शाया गया है।

सारणी संख्या – 7.8

क्या आपके कार्यस्थल पर मनोरंजन की कोई सुविधा है

कोई सुविधा है	आवृत्ति	प्रतिशत
हाँ	115	38.33
नहीं	185	61.67
योग	**300**	**100.00**

सारणी संख्या – 6.7 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 61.67 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार आपके कार्यस्थल पर मनोरंजन की सुविधा नहीं है तथा 38.33 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार उनके कार्यस्थल पर मनोरंजन की सुविधा है।

अतः स्पष्ट है कि अधिकांश (61.67 प्रतिशत) उत्तरदाताओं के अनुसार उनके कार्यस्थल पर मनोरंजन की सुविधा नहीं है।

क्या आपको विश्राम के लिए पर्याप्त समय मिलता है?

उत्तरदाताओं से जानकारी प्राप्त की गयी कि आपको विश्राम के लिए पर्याप्त समय मिलता है? प्राप्त जानकारी को निम्न सारणी में दर्शाया गया है।

सारणी संख्या – 7.7

क्या आपको विश्राम के लिए पर्याप्त समय मिलता है

पर्याप्त समय मिलता है	आवृत्ति	प्रतिशत
हाँ	85	28.33
नहीं	215	71.67
योग	**300**	**100.00**

सारणी संख्या – 7.7 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 71.67 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार उनको विश्राम के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलता है तथा 28.33 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार उनको विश्राम के लिए पर्याप्त समय मिलता है।

अतः स्पष्ट है कि अधिकांश (71.67 प्रतिशत) उत्तरदाताओं के अनुसार उनको विश्राम के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलता है।

क्या आपको अस्वस्थ रहने पर छुट्टी मिलती है?

उत्तरदाताओं से जानकारी प्राप्त की गयी कि क्या आपको अस्वस्थ रहने पर छुट्टी मिलती है? प्राप्त जानकारी को निम्न सारणी में दर्शाया गया है।

सारणी संख्या – 7.9

क्या आपको अस्वस्थ रहने पर छुट्टी मिलती है

छुट्टी मिलती है	आवृत्ति	प्रतिशत
हाँ	120	40.00
नहीं	180	60.00
योग	**300**	**100.00**

सारणी संख्या – 7.9 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 40.00 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार उनको अस्वस्थ रहने पर छुट्टी मिलती है तथा 60.00 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार उनको अस्वस्थ रहने पर छुट्टी नहीं मिलती है।

अतः स्पष्ट है कि अधिकांश (60.00 प्रतिशत) उत्तरदाताओं के अनुसार उनको अस्वस्थ रहने पर छुट्टी नहीं मिलती है।

क्या आपको चिकित्सा के लिए अतिरिक्त पैसा मिलता है?

उत्तरदाताओं से जानकारी प्राप्त की गयी कि क्या आपको चिकित्सा के लिए अतिरिक्त पैसा मिलता है? प्राप्त जानकारी को निम्न सारणी में दर्शाया गया है।

सारणी संख्या – 7.10

क्या आपको चिकित्सा के लिए अतिरिक्त पैसा मिलता है

अतिरिक्त पैसा मिलता है	आवृत्ति	प्रतिशत
हाँ	105	35.00
नहीं	195	65.00
योग	**300**	**100.00**

सारणी संख्या – 7.10 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 35.00 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार उनको चिकित्सा के लिए अतिरिक्त पैसा मिलता है तथा 65.00 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार उनको चिकित्सा के लिए अतिरिक्त पैसा नहीं मिलता है।

अतः स्पष्ट है कि अधिकांश (65.00 प्रतिशत) उत्तरदाताओं के अनुसार उनको चिकित्सा के लिए अतिरिक्त पैसा नहीं मिलता है।

क्या आपको साप्ताहिक एवं सार्वजनिक छुट्टियाँ मिलती हैं?

उत्तरदाताओं से जानकारी प्राप्त की गयी कि क्या आपको साप्ताहिक एवं सार्वजनिक छुट्टियाँ मिलती हैं? प्राप्त जानकारी को निम्न सारणी में दर्शाया गया है।

सारणी संख्या – 7.11

क्या आपको साप्ताहिक एवं सार्वजनिक छुट्टियाँ मिलती हैं

छुट्टियाँ मिलती है	आवृत्ति	प्रतिशत
हाँ	75	25.00
नहीं	225	75.00
योग	**300**	**100.00**

सारणी संख्या – 7.11 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 25.00 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार उनको साप्ताहिक एवं सार्वजनिक छुट्टियाँ मिलती हैं तथा 75.00 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार उनको साप्ताहिक एवं सार्वजनिक छुट्टियाँ नहीं मिलती हैं।

अतः स्पष्ट है कि अधिकांश (75.00 प्रतिशत) उत्तरदाताओं के अनुसार उनको साप्ताहिक एवं सार्वजनिक छुट्टियाँ नहीं मिलती हैं।

क्या आपको छुट्टियों का वेतन मिलता है?

उत्तरदाताओं से जानकारी प्राप्त की गयी कि क्या आपको छुट्टियों का वेतन मिलता है? प्राप्त जानकारी को निम्न सारणी में दर्शाया गया है।

सारणी संख्या – 7.12

क्या आपको छुट्टियों का वेतन मिलता है

वेतन मिलता है	आवृत्ति	प्रतिशत
हाँ	65	21.67
नहीं	235	78.33
योग	**300**	**100.00**

सारणी संख्या – 7.12 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 21.67 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार उनको छुट्टियों का वेतन मिलता है तथा 78.33 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार उनको छुट्टियों का वेतन नहीं मिलता है।

अतः स्पष्ट है कि अधिकांश (78.33 प्रतिशत) उत्तरदाताओं के अनुसार उनको छुट्टियों का वेतन नहीं मिलता है।

क्या आपके कार्यस्थल पर शुद्ध पेयजल की व्यवस्था है?

उत्तरदाताओं से जानकारी प्राप्त की गयी कि क्या आपके कार्यस्थल पर शुद्ध पेयजल की व्यवस्था है? प्राप्त जानकारी को निम्न सारणी में दर्शाया गया है।

सारणी संख्या – 7.13

क्या आपके कार्यस्थल पर शुद्ध पेयजल की व्यवस्था है

पेयजल की व्यवस्था है	आवृत्ति	प्रतिशत
हाँ	220	73.33
नहीं	80	26.67
योग	**300**	**100.00**

सारणी संख्या – 7.13 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 73.33 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार उनके कार्यस्थल पर शुद्ध पेयजल की व्यवस्था है तथा 26.67 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार उनके कार्यस्थल पर शुद्ध पेयजल की व्यवस्था नहीं है।

अतः स्पष्ट है कि अधिकांश (73.33 प्रतिशत) उत्तरदाताओं के अनुसार उनके कार्यस्थल पर शुद्ध पेयजल की व्यवस्था है।

क्या आप अपने कार्य से संतुष्ट हैं?

उत्तरदाताओं से जानकारी प्राप्त की गयी कि क्या आप अपने कार्य से संतुष्ट हैं? प्राप्त जानकारी को निम्न सारणी में दर्शाया गया है।

सारणी संख्या – 7.14

क्या आप अपने कार्य से संतुष्ट हैं

कार्य से संतुष्ट हैं	आवृत्ति	प्रतिशत
हाँ	155	51.67
नहीं	145	48.33
योग	**300**	**100.00**

सारणी संख्या – 7.14 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 51.67 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार वे अपने कार्य से संतुष्ट हैं तथा 48.33 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार वे अपने कार्य से संतुष्ट नहीं हैं।

अतः स्पष्ट है कि अधिकांश (51.67 प्रतिशत) उत्तरदाताओं के अनुसार वे अपने कार्य से संतुष्ट हैं।

क्या आप भविष्य में भी यही कार्य करना चाहेंगे?

उत्तरदाताओं से जानकारी प्राप्त की गयी कि क्या आप भविष्य में भी यही कार्य करना चाहेंगे? प्राप्त जानकारी को निम्न सारणी में दर्शाया गया है।

सारणी संख्या – 7.15

क्या आप भविष्य में भी यही कार्य करना चाहेंगे

कार्य करना चाहेंगे	आवृत्ति	प्रतिशत
हाँ	112	37.33
नहीं	188	62.67
योग	**300**	**100.00**

सारणी संख्या – 7.15 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 37.33 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार भविष्य में भी यही कार्य करना चाहेंगे तथा 62.67 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार आप भविष्य में भी यही कार्य नहीं करना चाहेंगे।

अतः स्पष्ट है कि अधिकांश (62.67 प्रतिशत) उत्तरदाताओं के अनुसार भविष्य में भी यही कार्य नहीं करना चाहेंगे।

क्या आप अपने कार्य से थकान महसूस करते हैं?

उत्तरदाताओं से जानकारी प्राप्त की गयी कि क्या आप अपने कार्य से थकान महसूस करते हैं? प्राप्त जानकारी को निम्न सारणी में दर्शाया गया है।

सारणी संख्या – 7.16

क्या आप अपने कार्य से थकान महसूस करते हैं

थकान महसूस करते है	आवृत्ति	प्रतिशत
हाँ	267	89.00
नहीं	33	11.00
योग	**300**	**100.00**

सारणी संख्या – 7.16 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 89.00 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार वे अपने कार्य से थकान महसूस करते हैं तथा 11.00 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार वे अपने कार्य से थकान महसूस नहीं करते हैं।

अतः स्पष्ट है कि अधिकांश (89.00 प्रतिशत) उत्तरदाताओं के अनुसार वे अपने कार्य थकान महसूस करते हैं।